an>

Title: Need to honour K.D. Jadhav, the renowned Olympic wrestler with Padma Award.

श्री राजू शेट्टी (हातकणंगले) ः देश के पदम पुरस्कार से सम्मानित होना हर भारतीय के लिए गौरवपूर्ण बात होती है। किंतु ऐसे काफी लोग होंगे जिन्होंने देश के लिए अच्छा काम किया और देश का नाम जिन्होंने पूरे विश्व में रोशन किया। परंतु अपने देश हित में किए गए महत्वपूर्ण कार्य पूरा होने के बाद इनमें से काफी कम लोग सरकार को आवेदन पेश करके अपना खुद का नाम पदम पुरस्कार की सूची में सम्मिलित कराने का प्रयास करते होंगे। किंतु इन लोगों का देश के प्रति समर्पण, उचित सम्मान करना सरकार का ही नहीं बल्कि हर भारतीय का कर्त्तव्य है। कभी-कभी ऐसे व्यक्ति पूरी जिंदगी में किसी भी पुरस्कार से सम्मानित नहीं किये जाते और दुर्भाग्यवश उनका अतुलनीय कार्य नई पीढ़ी भूल जाती है। इसलिए यदि ऐसे महान व्यक्तियों को जिनको हम उनके जीते जी उनके महान कार्यों के लिए पुरस्कृत नहीं कर सके उनको मरणोपरांत पदम पुरस्कार से सम्मानित करने की जिम्मेदारी इस संसद पर यानि कि सदन पर है। पदम पुरस्कारों के लिए जो नियम बनाये गये थे, उसके अनुसार मरणोपरांत पदम पुरस्कार से उसी को ही सम्मानित किया जाता है, जिसके मरणोपरांत उसका परिवार या जनप्रतिनिधि एक वर्ष के अंदर पदम पुरस्कार की घोषणा होने के पहले सरकार को सूचित करें, उन पर ही विचार हो सकता है, ऐसा स्पष्ट लिखा है। किंतु इस चयन प्रक्रिया में चालू वर्ष उद्योगपति स्व. धीरूभाई अंबानी जी का नाम पदम पुरस्कार के लिए शामिल किया गया। हम सबको उनके कार्य पर गर्व है लेकिन इसके साथ-साथ इसी संबंध में देश के जाने-माने रेसलर, महाराष्ट्र सुपुत्र स्व. के.डी. (खाशाबा) जाधव, जिन्हेंने रेसलिंग के लिए 1952 में हेलसिंकी में भारत को पहला ब्रांज पदक प्राप्त करके भारत का सिर विश्व में ऊÃ¬चा किया था, उनको भी मरणोपरांत पदम पुरस्कार से सम्मानित किया जाए, ऐसी मैं केंद्र सरकार से विनती करता हूँ।

-